गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 12 | गोरखपुर रविवार 14 सितम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

प्रधानमंत्री ने मिजोरम में विकास और मणिपुर में विश्वास की नई पटरियाँ बिछाई

एजेंसी

मणिपुर/मिजोरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर और मिजोरम यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थीं, बल्कि इन्हें पूर्वोत्तर भारत के भविष्य की दृष्टि से एक निर्णायक कदम माना जाना चाहिए। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर को करोड़ों रुपए के विकास की सौगात देकर प्रधानमंत्री ने राज्य को विकास की राह पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तो दूसरी ओर मिजोरम को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़कर नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोले। मणिपुर की बात करें तो मई 2023 से चली आ रही जातीय हिंसा ने राज्य की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया। हजारों लोग विस्थापित हुए, सैकड़ों ने अपनी जान गंवाई और विश्वास की दीवारें दरक गईं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का राहत शिविरों तक पहुँचना और पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विश्वास बहाली की ठोस पहल है। जब देश का शीर्ष नेतृत्व प्रभावित समुदायों की आँखों में आँखें डालकर आश्वासन देता है, तो लोगों को भरोसा होता है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकास की पहली शर्त शांति है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री के इस संदेश का असर संघर्षरत गुटों तक पहुँचना स्वाभाविक है। यदि संवाद और पुनर्वास की प्रक्रिया ईमानदारी से आगे बढ़ी तो मणिपुर में स्थायी शांति की नींव रखी जा सकती है। निस्संदेह, इस यात्रा से लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़ा है और उन्हें लगता है कि उनकी पीड़ा अब उपेक्षित नहीं रहेगी। दूसरी ओर मिजोरम के लिए बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन ऐतिहासिक है। 45 सुरंगों और दर्जनों पुलों से होकर गुजरने वाली यह रेल परियोजना केवल तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि आर्थिक जीवनरेखा है। मिजोरम अब सीधे दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से जुड़ गया है।

एम्स रायपुर पर संकट, 3 साल में 35 डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा, 40% फैकल्टी पद खाली

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ का प्रमुख चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर,

स्टाफिंग संकट से जूझ रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 35 डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है। संस्थान में लगभग 40% संकाय पद रिक्त हैं, जिससे मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवा वितरण पर चिंताएँ बढ़ रही हैं। संस्थान छोड़ने वाले डॉक्टरों ने अपने परिवार के स्थानांतरण और निजी क्षेत्र में बेहतर अवसरों को अपने इस्तीफे का प्रमुख कारण बताया है, हालाँकि कोई भी कैमरे पर बोलने को तैयार नहीं था। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने संकट को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार डॉक्टरों को बनाए रखने के लिए कदम उठा रही है, लेकिन उन्होंने व्यापक चुनौतियों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने बताया कि राज्य भर में कई एनएचएम कर्मचारी 10 मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिनमें से चार पहले ही मान ली गई हैं, जिनमें 27% वेतन वृद्धि, 5 लाख रुपये का कैशलेस इलाज, मनमाने ढंग से बर्खास्तगी से सुरक्षा और सालाना 30 दिन का सवेतन अवकाश शामिल है। जायसवाल ने बताया कि स्थानांतरण नीति, अनुकंपा नियुक्ति और वेतन ग्रेड संशोधन जैसी शेष मांगों पर विचार के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसकी रिपोर्ट तीन महीने में आने की उम्मीद है।

वायनाड में 10 दिन रुककर प्रियंका गांधी समझेंगी स्थानीय मुद्दे, सड़क निर्माण पर दिया जोर

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने वायनाड दौरे के दौरान पूझीथोडे-पडिंजराथरा सड़क परियोजना का दौरा कर उसे पूरा करने की मांग की। उन्होंने स्थानीय मुद्दों को समझने और चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच में सुधार के लिए इस परियोजना को आवश्यक बताया, साथ ही पर्यावरणीय संतुलन की जरूरत पर भी जोर दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को केरल में अपने

निर्वाचन क्षेत्र वायनाड के 10 दिवसीय दौरे के दौरान पूझीथोडे-पडिंजराथरा सड़क का दौरा किया और परियोजना को पूरा करने की मांग की। एएनआई से बात करते हुए, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि वह स्थानीय मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां 10 दिनों के लिए आई हूं और यहां के मुद्दों को और गहराई से समझना चाहती हूं... मैं यह भी समझ रही हूं कि मैं मुद्दों को हल करने में कैसे सहयोग और मदद कर सकती हूं। यही इन 10 दिनों का मिशन है। कांग्रेस सांसद ने पूझीथोडे-पडिंजराथरा सड़क का दौरा किया और परियोजना के ठप होने के मुद्दे पर स्थानीय लोगों से बातचीत की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "मैं खुद देखना चाहती थी कि मुद्दे और आपत्तियाँ क्या हैं। मैंने इस मुद्दे को समझ लिया है और एक सर्वेक्षण भी किया गया है।"

अन्नामलाई का विजय पर हमला, कहा- वे केवल वीकेंड में सक्रिय रहते है

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता अन्नामलाई ने टीवीके के संस्थापक और अभिनेता विजय कुमार पर हमला बोला है। अन्नामलाई ने कहा कि अभिनेता-राजनेता विजय अपनी पार्टी टीवीके को डीएमके का विकल्प नहीं कह सकते, क्योंकि वह केवल वीकेंड में ही

राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं। राजनीति में चौबीसों घंटे ऊर्जा की जरूरत होती है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पूरे वर्ष सक्रिय रूप से मैदान पर मौजूद रहते हैं। अकेले भाजपा ही डीएमके का विकल्प है। अन्नामलाई ने कहा कि विपक्षी दल एआईएडीएमके के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी भी राज्य भर में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं और विभिन्न जिलों में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। मगर विजय केवल वीकेंड में ही सक्रिय होते हैं। राजनीति को गंभीरता से लेना चाहिए और दैनिक आधार पर इसमें शामिल होना चाहिए। अन्नामलाई ने कहा कि अगर तमिलगा वेत्री कषगम एक वैकल्पिक ताकत बनना चाहता है तो उसे राजनीति को गंभीरता से लेना चाहिए और 24 घंटे काम करके अपने इरादे जाहिर करने चाहिए। लेकिन विजय शनिवार और रविवार को लोगों से मिलते हैं। लोग एनडीए को डीएमके के विकल्प के रूप में मानते हैं।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत : मुख्यमंत्री मान

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत

मान ने शुक्रवार को राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी उपायुक्तों से बातचीत की और उन्हें निर्देश दिया कि वे बिना किसी देरी के फसल, पशुधन और घरों को हुए नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण सुनिश्चित करें।

मान ने दोहराया कि पंजाब प्रभावित परिवारों को देश में सबसे ज्यादा मुआवजा देगा। भगवंत मान ने कहा कि यह सिर्फ. एक घोषणा नहीं है। पहले किसानों को 26 रुपये के मामूली चेक दिए जाते थे, लेकिन इस बार उपायुक्तों को निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मैं एक किसान परिवार से ताल्लुक रखता हूँ; मेरे अपने खेत भी पहले जलमग्न हो चुके हैं। मैं इस दर्द को समझता हूँ। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि विशेष गिरदावरी (नुकसान का आकलन) रिपोर्ट 30-40 दिनों के भीतर तैयार कर ली जाएगी और एक महीने के भीतर मुआवजा वितरण शुरू हो जाएगा। जिन किसानों की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, उन्हें प्रति एकड़ 20,000 रुपये दिए जाएँगे, जबकि गाय-भैंस जैसे मवेशियों के नुकसान के लिए 37,500 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाएगा। जिन परिवारों के घर बाढ़ के कारण ढह गए हैं या रहने लायक नहीं रहे हैं, उन्हें भी 100 प्रतिशत क्षति की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। मान ने आगे कहा कि एसडीआरएफ के दिशानिर्देश केवल 6,800 रुपये के मुआवजे की अनुमति देते हैं, लेकिन पंजाब प्रभावित परिवारों को 40,000 रुपये की राशि सुनिश्चित करने के लिए इसे बढ़ाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया, "यह कंजूसी करने का समय नहीं है। राहत चेक तैयार हैं और दिवाली के आसपास लोगों को ये मिलने शुरू हो जाएँगे।"

सम्पादकीय...

राधाकृष्णन से उम्मीदें

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चैंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दशार्ता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दशार्ता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दशार्ता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है।

राशिफल

मेषः- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव।

परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकरः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभः- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे।

ब्रिक्स वर्चुअल बैठक और संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित न करना अशुभ संकेत

नित्य चक्रवर्ती

संयुक्त राष्ट्र महासभा के संबंध में, संयुक्त राष्ट्र सत्र 23 सितंबर से शुरू होगा और 30 सितंबर तक चलेगा। भारतीय प्रधानमंत्री को 26 सितंबर को संबोधित करने का समय दिया गया था। उसी दिन, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश को महासभा को संबोधित करने के लिए समय दिया गया है। ऐसे नाजुक दौर में, संयुक्त राष्ट्र मंच का इस्तेमाल सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष देश और दुनिया के सामने मौजूद प्रमुख मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए करते हैं। क्याप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 सितंबर को जारी एससीओ घोषणापत्र और इस साल 6 जुलाई के ब्रिक्स वक्तव्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हटकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-अमेरिका संबंधों में पारस्परिकता बहाल करने का कोई संकेत दे रहे हैं? यह सवाल बेहद प्रासंगिक है क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री ने 8 सितंबर को आयोजित वर्चुअल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल न होने और इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी शामिल न होने का फैसला किया। ट्रंप के टैरिफ युद्ध और प्रभावित देशों, खासकर वैश्विक दक्षिण के देशों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एकतरफा टैरिफ लगाए जाने के खिलाफ साझा रुख अपनाने के मौजूदा संदर्भ में ये दोनों घटनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। ब्रिक्स के दो प्रमुख सदस्य - भारत और ब्राजील, अमेरिका को अपने-अपने निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। 2025 के लिए ब्रिक्स के अध्यक्ष ब्राजील के राष्ट्रपति ने ब्रिक्स घोषणापत्र के अनुवर्ती के रूप में 8 सितंबर को यह बैठक बुलाई थी, जिस पर भारतीय प्रधानमंत्री और अन्य सभी ब्रिक्स सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इस वर्चुअल बैठक में भारत और इथियोपिया को छोड़कर सभी राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। चीन के राष्ट्रपति शीजिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कार्ययोजना सुझाने में अहम भूमिका निभाई। भारत का प्रतिनिधित्व हमारे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया, जिन पर अन्य राष्ट्राध्यक्षों के भाग लेने के दौरान किसी ने ध्यान नहीं दिया। डॉ. जयशंकर ने हमेशा की तरह वैश्विक चुनौतियों पर एक अकादमिक व्याख्यान दिया, जिसमें अमेरिकी निर्णय के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता पर शायद ही कोई बात की गई। उन्होंने केवल व्यापार उपायों को गैर-व्यापार बाधाओं से जोड़ने पर चिंता व्यक्त की। इस व्याख्यान में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया कदमों पर प्रहार किया गया, लेकिन यह वैश्विक व्यापार मुद्दों पर व्याख्यान के शब्दाडंबर में डूब गया, और तत्काल उठाए जाने वाले कदमों का उल्लेख नहीं किया गया। जयशंकर ने कहा, 'व्यापार पैटर्न और बाजार पहुंच आज वैश्विक आर्थिक विमर्श में प्रमुख मुद्दे हैं। दुनिया को टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बढ़ती बाधाएं और लेन-देन को जटिल बनाने से कोई फायदा नहीं होगा।' यह सामान्य वैश्विक व्यापार परिदृश्य के लिए एक अच्छा संबोधन है। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यों के परिणामस्वरूप 2025 की वर्तमान स्थिति सामान्य नहीं है। इस चुनौती का सामना कैसे किया जाए? डॉ. जयशंकर के भाषण में तात्कालिक मुद्दों से निपटने के लिए कोई ठोस सुझाव नहीं दिया गया। बल्कि उन्होंने ब्रिक्स के भीतर की समस्या पर बात की। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अपने सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रवाह की समीक्षा करके एक

मिसाल कायम कर सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि हमारे कुछ सबसे बड़े घाटे ब्रिक्स भागीदारों के साथ हैं और हम शीघ्र समाधान के लिए दबाव बना रहे हैं। इस समय इस वर्चुअल ब्रिक्स बैठक में इस मुद्दे को टाला जा सकता था। यह बैठक टैरिफ पर अमेरिकी उपायों का सामना करने और राजनीतिक मुद्दों को व्यापार मामलों से जोड़ने के लिए तत्काल रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई थी। भाषण में भारत का मुख्य ध्यान इसी पर होना चाहिए था, जो नहीं था। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी कार्रवाई को टैरिफ युद्ध करार दिया, जबकि ब्राजील के राष्ट्रपति और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति दोनों ने टैरिफ ब्लैकमेल से निपटने के लिए संयुक्त कार्रवाई का सुझाव दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने भी ट्रम्प का नाम लिए बिना कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। वर्चुअल बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति पर अन्य ब्रिक्स सदस्यों, विशेष रूप से ब्राजील ने ध्यान दिया क्योंकि राष्ट्रपति लूला अगले साल नरेंद्र मोदी को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपेंगे और भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। नरेंद्र मोदी के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में शामिल न होने से ब्रिक्स सदस्यों के बीच कुछ आशंकाएं पैदा हो गई हैं क्योंकि उन्होंने 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन में पिछले एससीओ शिखर सम्मेलन और 6 और 7 जुलाई को रियो डीजनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बहुत सक्रिय रूप से भाग लिया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा के संबंध में, संयुक्त राष्ट्र सत्र 23 सितंबर से शुरू होगा और 30 सितंबर तक चलेगा।

कुछ खास...

संविधान की ताकत का नया अहसास

नेपाल में सोमवार से शुरू हुए युवाओं के आंदोलन से सत्ता तो उखड़ ही गई है, समूची व्यवस्था भी तहस-नहस हो चुकी

है। सेना ने कमान संभाल कर कर्फ्यू लगाया है, काठमांडू की सड़कों पर एक अजीब सा सन्नाटा कायम हुआ है, लेकिन इस सन्नाटे के उस पार क्या होगा, यह केवल उन्हीं लोगों को पता होगा, जिनकी शह पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है। फिलहाल प्रधानमंत्री और कम से कम 10 मंत्रियों के इस्तीफे तो हो ही चुके हैं, कुछ गिने-चुने प्रतिनिधि बचे हैं, जिन पर इस्तीफे का दबाव है। सरकार के अलावा मीडिया, कारोबार इन सब पर भी आंदोलनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। मंगलवार को संसद भवन, राष्ट्रपति का घर, प्रधानमंत्री का घर समेत कई सरकारी संस्थानों पर आंदोलनकारियों ने आग लगा दी। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को भीड़ ने पीटा, पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई। नेपाल के सबसे बड़े मीडिया संस्थान कांतिपुर के दफ्तर को जलाया, हिल्टन होटल को जला दिया, जेल तोड़ी, जिसमें कई कैदी भाग गए। कई दुकानों में तोड़-फोड़ की और फ्रिज, एसी जैसे कीमती सामानों की लूट हुई। इतने उपद्रव के बाद सेना ने अपने हाथ में कमान ली है, तो फिलहाल तोड़-फोड़, लूटमार रुकी है। लेकिन आंदोलन अब भी खत्म नहीं हुआ है। क्योंकि प्रदर्शनकारी संविधान बदलने और नयी सरकार के गठन की मांग कर रहे हैं। नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं। अपने-अपने राजनैतिक रुझान के मुताबिक कोई चेतावनी दे रहा है कि सरकार समझ जाए कि आम आदमी का गुस्सा जब फूटता है, तो कैसे उसके सब्र का बांध टूटता है, कोई सरकार की तारीफ कर रहा है कि हमारे पड़ोसी देशों में इतना कुछ हो रहा है, लेकिन हमारे यहां हालात संभले हुए हैं। बात सही है कि भारत में हजार तरह की तकलीफें और सौ तरह की नाराजगियों के बावजूद ऐसी अराजकता के हालात नहीं बने हैं। लेकिन 2011-12 के दौर को याद करें, जब तत्कालीन सरकार के खिलाफ ऐसी ही नाराजगी की चिंगारी को भड़काने की पूरी कोशिशें हुई थीं। इंडिया अंगेस्ट करप्शन के बैनर तले लोकपाल की मांग पर जो अन्ना आंदोलन खड़ा हुआ था, वह देश को अराजकता की तरफ ही उकसा रहा था। कभी रामदेव, कभी रविशंकर, कभी जग्गी वासुदेव जैसे आध्यात्म का कारोबार करने वाले लोग इस आंदोलन में अपने पूरक अध्याय जोड़ रहे थे। राष्ट्रपति भवन के सामने प्रदर्शन, इंडिया गेट पर प्रदर्शन, रामलीला मैदान में जलसे की तरह चलाया जा रहा आंदोलन सब सरकार को उकसा रहे थे कि वह कोई सख्त कार्रवाई करे और फिर सारी व्यवस्था को हाथ में लेने का मौका आंदोलनकारियों को मिले। लेकिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने संयम दिखाया।

किरदार के लिए स्लम्स का एक्सपीरियंस लिया, उनका लहजा सीखा और कपड़े भी इसी हिसाब से पहने : दिव्या

एक चतुर नार डायरेक्टर उमेश शुक्ला की फिल्म है जो 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म थ्रिलर और कॉमेडी का अनोखा मेल है जिसमें लखनऊ के स्लम्स की पृष्ठभूमि पर अमीर-गरीब की जिंदगी की टकराहट को दिलचस्प अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म में दिव्या खोसला, नील नितिन मुकेश, सुशांत सिंह, यशपाल शर्मा, जाकिर हुसैन, छाया कदम, हेली दारूवाला और गीता अग्रवाल शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के बारे में स्टारकास्ट नील नितिन मुकेश और दिव्या खोसला और डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश सवाल- इस फिल्म का टाइटल एक चतुर नार कैसे आया? जवाब- इस फिल्म का टाइटल कहानी और कैरेक्टर से आया। हमारी मुख्य लड़की बेहद स्मार्ट और चतुर है। जब हमने स्क्रिप्ट लिखी तभी यह महसूस हुआ कि यह टाइटल सबसे ज्यादा सूट करेगा। कहानी के अनुसार ही कैरेक्टर और टाइटल दोनों तय हुए। आपने यह गाना सुना होगा एक चतुर नार तो हमने भी मर और थ्रिलर के संगम के साथ नए रूप में पेश किया है। यह कोई पुराना वर्जन नहीं है बल्कि नया और इंटरेस्टिंग अंदाज है। सवाल- एक्टिंग से डायरेक्शन तक अब आप एक चतुर नार जैसी फिल्म को अपने करियर में कहां प्लेस करते हैं? जवाब- देखिए एक चतुर नार मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि ये अब तक की मेरी फिल्मों से जॉनर के लिहाज से काफी अलग है। मैंने पहले कभी थ्रिलर अटेम्प्ट नहीं किया था लेकिन थिएटर में जरूर किया है जैसे गुलाम बेगम बादशाह या शेर छेर जैसे थ्रिलर प्ले किए हैं लेकिन फिल्म में ये मेरा पहला अनुभव है इस जॉनर के साथ। अक्सर ऐसा होता है कि जब आपकी कोई फिल्म जैसे ओह माय गॉड या 102 नॉट आउट हिट होती है तो प्रोड्यूसर्स उसी टोन की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं। लेकिन जब ये स्क्रिप्ट आई तो मुझे लगा कि अब इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करने का वक्त है। और मेरा हमेशा से मानना रहा है कि फिल्म सिर्फ एक एंटरटेनर बन कर न रह जाए उसमें कोई एक बात जरूर हो जो दर्शक अपने साथ लेकर जाए। इस फिल्म में मुझे मर और थ्रिल का शानदार मेल भी मिला और जब इतनी मजबूत कास्ट और टीम आपके साथ हो तो आप खुद को वाकई में ब्लेस्ड महसूस करते हैं। सवाल- आपने थिएटर और फिल्मों दोनों में काम किया है। आपके लिए दोनों में क्या अंतर है और कौन-सा क्राफ्ट ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता है? जवाब- मेरे लिए दोनों क्राफ्ट्स बराबर चुनौतीपूर्ण हैं। थिएटर में आपको सिर्फ सात-आठ सीन में पूरी कहानी कहनी होती है जो अपने आप में एक बड़ा चैलेंज है। वहीं फिल्म में वही कहानी अगर सौ या उससे भी ज्यादा सीन में फैलानी हो तो उसे उस फॉर्मेट में ढालना भी उतना ही मुश्किल होता है। थिएटर की खास बात ये है कि वहां आपको इंस्टेंट रिस्पॉन्स मिल जाता है अगर कुछ काम नहीं कर रहा तो अगले शो में आप उसे

बदल सकते हैं। लेकिन फिल्म में वो मौका नहीं होता इसलिए मैं स्क्रिप्ट मिलने के बाद उसे लोगों को सुनाता हूं रिएक्शन लेता हूं कई लोगों को पढ़ने भी देता हूं जिससे बेहतर समझ बनती है। दोनों ही माध्यमों की अपनी-अपनी खूबियां और चुनौतियां हैं और मैं दोनों को ही पूरी तरह एंजॉय करता हूं। दिव्या खोसला सवाल- आपके कैरेक्टर का निर्माण कैसे हुआ? यह आपके वास्तविक व्यक्तित्व से कितना अलग है? जवाब- सर ने मुझे बार-बार याद दिलाया कि यह लड़की कमीनी है और मैं वैसी नहीं हूं।

इस किरदार के लिए मैंने लखनऊ के स्लम्स का एक्सपीरियंस लिया उनका लहजा सीखा और कपड़े भी उसी हिसाब से पहने। यह काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन इससे सीखने को बहुत मिला। हमने इसे काफी इंट्रस्टिंग बनाने की कोशिश की है। सवाल- इस फिल्म में अपने किरदार की तैयारी कैसे की? जवाब- देखिए हमारी जो कहानी है वो पूरी तरह से ओरिजिनल है तो कहीं से ऐसा नहीं था कि मैं कुछ पहले से जानती हूं। मैं हमेशा सेट पर जाने से पहले अपनी स्क्रिप्ट पढ़ कर जाती थी और कोशिश करती थी कि मैं वो इंसान बन जाऊं। मैं तो हमेशा अपने कैरेक्टर में रहती थी अगर कोई मुझसे इंग्लिश में भी बात करता है तो मैं तो उससे उसी भाषा में बात करती थी। मैंने हर उस तरीके को अपनाया जो मेरे कैरेक्टर की मांग थी। सवाल- आपने अब तक कई शानदार रोल किए हैं तो अब आगे क्या करना चाहती हैं? जवाब- मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि जब मेरी पिछली फिल्म सावी आई थी तब हर इंटरव्यू में मुझसे यही पूछा जा रहा था कि आपकी ड्रीम फिल्म क्या है और आप क्या करना चाहती हैं। उस समय मेरा जवाब हर बार यही होता था मुझे एक अच्छी कॉमेडी फिल्म करनी है क्योंकि मुझे लगता है कि वो मेरा जॉनर है और मैं उसमें बहुत अच्छा कर सकती हूं। इसलिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं उमेश सर की जिन्होंने मुझे एक चतुर नार जैसी कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनाया।

ये मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग जॉनर है। अब उम्मीद यही है कि लोग इसे पसंद करें और अगर ऐसा हुआ तो यकीनन आगे और भी अच्छे मौके मिलेंगे। सवाल- इस फिल्म में आपके लिए सबसे चैलेंजिंग हिस्सा क्या रहा? जवाब- मेरे लिए सबसे चैलेंजिंग यही था कि जो किरदार मैंने निभाया वो मुझसे बिल्कुल अलग था। वो चैल और बस्ती में पली-बढ़ी लड़की है और सच में मैं जाकर कुछ वक्त उस बस्ती में रही नाले के पास उसी माहौल में ताकि उस किरदार को महसूस कर सकूं। आसान नहीं था क्योंकि मैं उस बैकग्राउंड से नहीं आती। लेकिन जब फिल्म बनी और स्क्रीन पर देखा तो जो भी मेहनत और अप्स एंड डाउंस मैंने झेले सब सार्थक लगे। फिल्म इतनी अच्छी बनी है कि मैं वाकई उमेश सर की बहुत शुक्रगुजार हूं। नील नितिन मुकेश सवाल- आपके कैरेक्टर में इस फिल्म की अनएक्सपेक्टेड चीज क्या है? जवाब- इस फिल्म श्एक चतुर नारश में अभिषेक का जो ग्रे शेड वाला किरदार मैंने निभाया है वो मेरे लिए बेहद खास और यादगार है। मैं उमेश सर का दिल से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इस लायक समझा कि मैं इस दमदार कहानी का हिस्सा बन सकूं। हर एक्टर की ख्वाहिश होती है कि उसे ऐसा कोई रोल मिले जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण हो बल्कि लोगों के दिलों में जगह बना ले और मुझे ये किरदार पहली ही स्क्रिप्ट के पांच मिनट सुनते ही ऐसा लगा। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसमें हर किरदार में एक टेढ़ापन है चाहे वो दिव्या जी हों, जाकिर भाई, यशपाल जी या गीता जी और इस ग्रे शेड की दुनिया में खुद को साबित करना एक बड़ी जिम्मेदारी थी।

मेरा किरदार सिर्फ एक विलेन नहीं है बल्कि उसमें आम आदमी से जुड़ी कई परतें हैं जो उसे बेहद रियल बनाती हैं। कॉमेडी और थ्रिलर का ये अनोखा मेल मेरे लिए पहली बार था और इसने मुझे बतौर कलाकार और भी निखारा। सेट पर सर का मार्गदर्शन मिलता रहा कि कहां थोड़ा कंट्रोल करना है, कहां थोड़ा और देना है और यही वजह रही कि परफॉर्मेंस में एक ईमानदारी बनी रही।

जब आप कैरेक्टर को सच्चाई से निभाते हैं तो बिना किसी स्लैपस्टिक के भी दर्शकों को हंसी आती है और यही इस फिल्म की खूबसूरती है।

अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे थे अभिषेक बच्चन, दिल्ली एचसी ने गूगल को तुरंत फोटोज हटाने का दिया निर्देश

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने बीते दिन दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था, जहां उन्होंने अपने नाम, तस्वीर और छवि के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। वहीं, इस मामले पर अब विचार करते हुए कोर्ट ने गूगल को निर्देश दिया है कि वो इन फोटोज को हटा दें। बीते बुधवार दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभिषेक बच्चन के वकील ने आरोप लगाया कि कई कंपनियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उनके नाम पर फर्जी मर्चेंडाइजिंग कर रहे हैं। कुछ जगहों पर उनके फर्जी पोस्ट और ऑटोग्राफ वाली तस्वीर बेची जा रही है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक वीडियो बनाए गए हैं जिससे उनकी छवि को नुकसान हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- अगर अभिषेक बच्चन की टीम अलग-अलग लिंक की सूची सौपेगी तो गूगल और अन्य प्लेटफार्म को उन्हें हटाने का निर्देश दिया जा सकता है। मामले की सुनवाई करने वाले जस्टिस तेजस करिया ने यह भी कहा कि जब तक अभिषेक बच्चन की तस्वीरो का इस्तेमाल करने वाले लोगों की असली पहचान नहीं होती तब तक सीधे नोटिस जारी करना मुश्किल होगा। इसके साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट में गूगल की ओर से पेश वकील ने कहा कि ज्यादातर लिंक कुछ खास डिफेंडेंट्स ने अपलोड किए हैं और गूगल उन्हें हटाने के लिए तैयार है। वही दिल्ली हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अभिषेक बच्चन के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह सभी लिंक और वेबसाइट की पूरी सूची अलग-अलग पेश करेंगे।

दिलजीत दोसांझ का होम्बले फिल्म्स की कंतारारू चैप्टर 1 में होगा स्पेशल गाना

होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा चैप्टर 1 इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। यह बिना किसी शक सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से चर्चाएं जोरो पर है। फिल्म को लेकर बढ़ती हुई उत्सुकता के बीच, अब एक ओर दिलचस्प अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक फिल्म में जाने माने सिंगर दिलजीत दोसांझ एक गाने को अपनी आवाज से सजाने वाले हैं। कंतारा चैप्टर 1 की चर्चा हर बीतते दिन के साथ ही बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक रोमांचक खबर सामने आई है कि इस फिल्म में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का एक गाना शामिल होगा। जिसकी रिकॉर्डिंग कल मुंबई के ल्थ स्टूडियोज, अंधेरी में होगी। यह एक और बड़ा सहयोग है, जो सच में फिल्म की भव्यता को और बढ़ाने वाला है। कंतारा चैप्टर 1 में दिलजीत दोसांझ के साथ मेकर्स का यह कोलैबोरेशन एक खास सहयोग है, क्योंकि इसके जरिए दो बड़े कल्चर आइकॉन साथ आ रहे हैं। एक तरफ, श्कंताराश ने भारत की संस्कृति को उसकी जड़ों से दुनिया के सामने मजबूत तरीके से पेश किया है, वहीं दूसरी तरफ, दिलजीत दोसांझ ने अपने गानों के जरिए भारतीय संस्कृति को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचाने के साथ, उसे जिंदा रखा है। इस तरह से दोनों ने मिलकर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। कंतारा चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनिश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल नैरेटिव को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है।

इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चैप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।

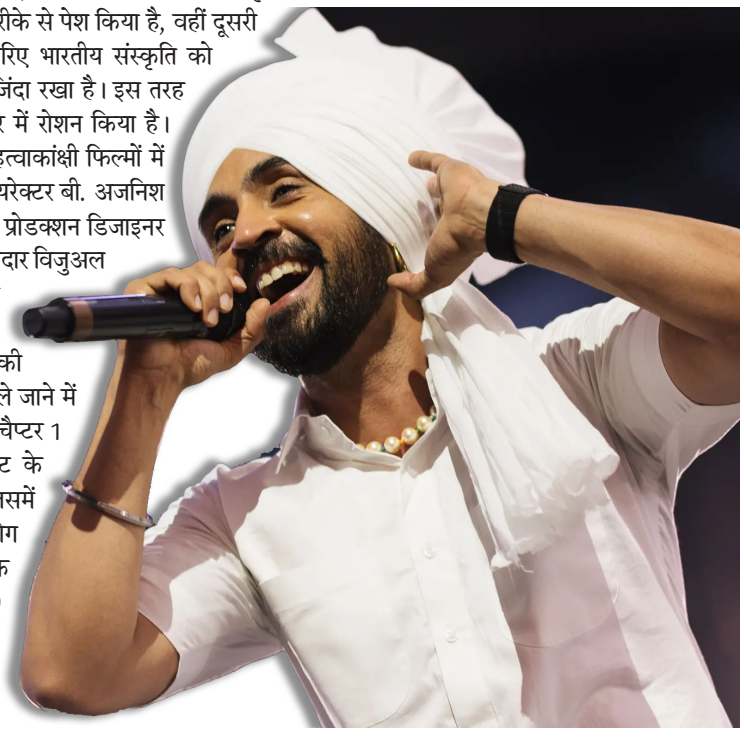

कैंसर से बचाव का सुरक्षा कवच, जानिए कौन-कौन से कैंसर की वैक्सीन उपलब्ध हैं

कम उम्र से ही खान-पान को ठीक रखना, धूम्रपान-शराब से दूरी और प्रदूषण जैसे कारकों से बचाव आवश्यक है। इसके अलावा कुछ प्रकार के कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन्स भी उपलब्ध हैं। आइए जानते हैं वैक्सीन से किन-किन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है?

कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारी है। इस रोग के कारण हर साल सबसे ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में एक करोड़ से अधिक लोगों की मौत हो गई, समय के साथ ये खतरा बढ़ता ही जा रहा है। कैंसर का नाम सुनते ही कई लोगों के मन में डर और चिंता घर कर जाती है। यह ऐसी बीमारी है जो धीरे-धीरे शरीर की सामान्य कोशिकाओं को नष्ट कर देती है और जानलेवा बन सकती है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि विज्ञान ने इस बीमारी से बचाव के लिए कई अहम उपाय खोज लिए हैं, जिनमें से एक सबसे बड़ा हथियार है वैक्सीन। जैसे बचपन में पोलियो, चेचक या खसरा से बचाने के लिए टीके लगाए जाते हैं, वैसे ही कुछ प्रकार के कैंसर से बचाव के लिए भी खास वैक्सीन्स बनाई गई हैं। मतलब कैंसर से बचाव इतना भी मुश्किल नहीं है, बस कुछ सावधानियां और टीके आपकी मदद कर सकते हैं।अब आपके मन में भी ये सवाल होगा कि कौन-कौन से कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध हैं, ये कैसे काम करती हैं, किसे इन्हें लगवाना चाहिए? आइए इस बारे में समझते हैं।

पहले कैंसर के बारे में जान लीजिए

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो शरीर की कोशिकाओं के असामान्य वृद्धि के कारण होती है। लाइफस्टाइल और पर्यावरणीय स्थितियां इसके खतरे को बढ़ाती जा रही हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही खान-पान को ठीक रखना, धूम्रपान-शराब से दूरी और प्रदूषण जैसे कारकों से बचाव आवश्यक है। इसके अलावा कुछ प्रकार के कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन्स भी उपलब्ध हैं। आइए जानते हैं वैक्सीन से किन-किन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है?

सर्वाइकल-गुदा और ओरल कैंसर से बचाव

सर्वाइकल कैंसर का सबसे बड़ा कारण एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) है। यह एक बहुत ही सामान्य यौन संचारित संक्रमण है। एचपीवी के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से कुछ विशेष प्रकार (जैसे टाइप 16 और 18) कैंसर का कारण बन सकते हैं। इन वायरस से बचाव के लिए, लड़कियों को कम उम्र में एचपीवी वैक्सीन लगवाने की सलाह दी जाती है। यह टीका इस कैंसर को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका माना जाता है।यह वायरस सर्वाइकल, गुदा और ओरल कैंसर का कारण बन सकता है। एचपीवी से बचाव के लिए वैक्सीनेशन एक प्रभावी तरीका है। एचपीवी वैक्सीन संबंधित कैंसर के जोखिम को 80%-90% तक कम कर सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले यौन संपर्क से पहले वैक्सीनेशन सबसे अधिक प्रभावी होता है और इसे 9 वर्ष की आयु से लगाया जा सकता है।

लिवर कैंसर से बचाव के लिए हेपेटाइटिस का टीका

हेपेटाइटिस-बी एक वायरस है जो लिवर में सूजन और संक्रमण का कारण बनता है। यदि यह संक्रमण लंबे समय तक बना रहे, तो यह लिवर के कैंसर का कारण बन सकता है। हेपेटाइटिस बी के लिए टीकाकरण लिवर कैंसर के जोखिम को कम करने का एक प्रभावी तरीका है। यह टीका सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है और विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो उच्च जोखिम में हैं।अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च अनुसार, हेपेटाइटिस-बी के टीके से लिवर कैंसर से बचाव हो सकता है।

कैंसर से बचाव के लिए रूस की प्रभावी वैक्सीन

हाल ही में, रूस के वैज्ञानिकों ने एक नई कैंसर वैक्सीन विकसित की है जिसे एंटरोमिक्स नाम दिया गया है। यह वैक्सीन mRNA तकनीक पर आधारित है और कैंसर उपचार के लिए डिजाइन की गई है।

रूसी वैज्ञानिकों के अनुसार, इस वैक्सीन के प्रीक्लिनिकल ट्रायल्स में 100% सफलता प्राप्त हुई है, और यह अब उपयोग के लिए तैयार है। हालांकि, इसे व्यापक रूप से उपयोग में लाने के लिए नियामक मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। यह वैक्सीन कोलोरेक्टल कैंसर, ग्लियोब्लास्टोमा (ब्रेन कैंसर), और मेलेनोमा जैसे कैंसर प्रकारों के लिए विकसित की जा रही है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कैंसर से बचाव में कुछ टीके मददगार हो सकते हैं। इनका समय पर उपयोग कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है। एचपीवी और हेपेटाइटिस बी जैसी वैक्सीन्स पहले से ही उपलब्ध हैं और इनका उपयोग व्यापक रूप से किया जा रहा है। अपने डॉक्टर से इसकी सलाह लें।

शादी के बाद क्यों घट जाता है रोमांस? जानें असली वजह

रोमांस किसी भी रिश्ते की आत्मा है। शादी के बाद भी अगर कपल्स छोटे-छोटे पलों को खास बनाने की कोशिश करें तो प्यार और अपनापन हमेशा ताजा रह सकता है। आइए जानते हैं शादीशुदा लोग अपने रिश्ते में शुरूआती दिनों वाला प्यार और अपनापन लाने के लिए क्या कर सकते हैं।

शादी हर रिश्ते को एक नया मुकाम देती है। शादी के शुरूआती दिनों में कपल्स के बीच रोमांस, उत्साह और आकर्षण चरम पर होता है। लेकिन धीरे-धीरे जिम्मेदारियों, कामकाज, बच्चों और आर्थिक दबावों के चलते कपल्स के बीच रोमांस फीका पड़ने लगता है। यह स्थिति लगभग हर शादीशुदा रिश्ते में आती है।कुछ वर्षों में शादी निरस होने लगती है। जिन बातों या परिस्थिति में कपल एक दूसरे पर प्यार लुटाया करते थे, समय के साथ वही बातें उन्हें एक दूसरे के प्रति उत्साहित नहीं करती हैं। उनके रिश्ते में बोरियत आना सामान्य है। लेकिन सवाल यह है कि क्या रोमांस हमेशा के लिए खत्म हो जाता है? नहीं, थोड़े से प्रयास और समझदारी से कपल्स दोबारा उसी जादुई अहसास को वापस पा सकते हैं।रोमांस किसी भी रिश्ते की आत्मा है। शादी के बाद भी अगर कपल्स छोटे-छोटे पलों को खास बनाने की कोशिश करें तो प्यार और अपनापन हमेशा ताजा रह सकता है। आइए जानते हैं शादीशुदा लोग अपने रिश्ते में शुरूआती दिनों वाला प्यार और अपनापन लाने के लिए क्या कर सकते हैं।

जिम्मेदारियां और तनाव

शादी के बाद नौकरी, घर की देखभाल, परिवार की अपेक्षाएं और बच्चों की परवरिश जैसी जिम्मेदारियां कपल्स पर भारी पड़ती हैं। नतीजा यह होता है कि वे एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते। धीरे-धीरे रोमांटिक पल जिम्मेदारियों में खो जाते हैं।

एक जैसी दिनचर्या

रोजमर्रा की एक जैसी दिनचर्या भी रिश्ते में बोरियत ला देती है। हर दिन दफ्तर, घर और बाकी कामों के बीच कपल्स का रोमांस कहीं पीछे छूट जाता है। नई ऊर्जा और उत्साह की कमी रिश्ते को नीरस बना देती है।

संवाद की कमी

कपल्स के बीच बातचीत कम होना भी रोमांस खत्म होने का बड़ा कारण है। जब कपल्स अपनी भावनाएं, उम्मीदें और परेशानियां एक-दूसरे से साझा नहीं करते, तो दूरी बढ़ने लगती है। यही दूरी धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देती है।

रोमांस को फिर से जगाने के उपाय

शादी के बाद जब आपको महसूस होने लगे कि अब आपके रिश्ते में पहले जैसी बात नहीं रह गई है। आपके बीच प्यार और रोमांस कम होने लगा है या रिश्ते में बोरियत महसूस होने लगी है। तो फिर से रोमांस जगाने के लिए कुछ तरीके अपनाएं। जैसे,

एक-दूसरे को समय दें। दिनभर व्यस्त रहने के बावजूद कम से कम आधा घंटा सिर्फ अपने रिश्ते को समर्पित करें।

डेट नाइट प्लान करें। शादी के वर्षों बाद भी डेट पर जाना रिश्ते में नई जान डाल सकता है।

सरप्राइज गिफ्ट दें। छोटे-छोटे तोहफे भी बड़े रोमांटिक इशारों का काम करते हैं। बातचीत को अहमियत दें। रोज कुछ देर सिर्फ एक-दूसरे से खुलकर बात करें। फिजिकल इंटिमेसी पर ध्यान दें। गले लगना, हाथ पकड़ना और पास बैठना भी रोमांस को फिर से जगाने का जरिया बन सकता है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार

'जल्दी क्या है?'

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले आगामी एशिया कप क्रिकेट मैच को रद्द करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। यह मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।कानून के चार छात्रों की एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी, जिसमें इस मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिका का नेतृत्व उर्वशी जैन नामक छात्रा कर रही थीं। याचिकाकताओं ने कहा कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन राष्ट्र की गरिमा और जनभावनाओं के खिलाफ है।

कोर्ट में क्या हुआ?

जब वकील ने इस याचिका को कोर्ट में अत्यावश्यक रूप से सूचीबद्ध करने की मांग की, तब सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई शामिल थे, ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'इसमें इतनी जल्दी क्या है? ये तो सिर्फ एक मैच है, होने दीजिए। मैच रविवार को है, अब क्या किया जा सकता है?'वकील ने आग्रह किया कि अगर शुक्रवार तक याचिका नहीं सुनी गई, तो यह निरर्थक हो जाएगी, क्योंकि मैच रविवार को होना है। इस पर कोर्ट ने दोबारा कहा, 'हम क्या कर सकते हैं? मैच होने दीजिए।' **याचिका में क्या तर्क दिए गए? :** याचिकाकताओं ने अपनी अर्जी में कहा कि 'भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच मैत्री और सौहार्द का प्रतीक होता है, लेकिन जब देश के जवान अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी हमलों में भारतीय नागरिक मारे जा रहे हैं, तब ऐसे

में पाकिस्तान के साथ खेल खेलना गलत संदेश देता है।'याचिका में कहा गया कि 'ऐसे समय में जब हमारे सैनिक शहीद हो रहे हैं, हम उसी देश के साथ खेल में शामिल हो रहे हैं जो आतंकवादियों को शरण देता है। ये राष्ट्र की गरिमा और शहीदों के परिवारों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है।' **याचिकाकताओं की मांग :** याचिकाकताओं की मांग थी कि 'भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच रद्द किया जाए। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता, तब तक भारत को उसके साथ कोई भी खेल या सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं करना चाहिए। साथ ही देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, जन भावना और सैनिकों के मनोबल को प्राथमिकता दी जाए, न कि मनोरंजन को।' **14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच :** हालांकि याचिका में उठाए गए मुद्दे राष्ट्रभक्ति और सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंताओं पर आधारित थे, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप संभव नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि मैच जैसे आयोजन को रोकना कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, विशेषकर जब समय भी सीमित हो।

भारत ने यूएई को रौंदा, मांजरेकर बोले- मैच फीस पूरी नहीं मिलेगी; सूर्यकुमार का जवाब सुनकर हंस पड़ेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। मैच के बाद कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव पर चुटकी ली, लेकिन भारतीय कप्तान ने जो प्रतिक्रिया

दी, उसे सुन कमेंटेटर हंस पड़े। एशिया कप 2025 के पहले मुकाबले में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को नौ विकेट से हराकर जोरदार शुरूआत की। मुकाबला इतना एकतरफा रहा कि दोनों पारियों में मिलाकर केवल 106 गेंदें फेंकी गईं और मैच दो घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गया। हालांकि, मैच के बाद कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव पर चुटकी ली, लेकिन भारतीय कप्तान ने जो प्रतिक्रिया दी, उसे सुन कमेंटेटर हंस पड़े।

रोनाल्डो से प्रेरणा लेते हैं एशिया कप हॉकी के स्टार अभिषेक, अब है विश्व कप जीतने का सपना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने हाल ही में हुए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका

निभाई। भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर न केवल खिताब जीता, बल्कि 2026 हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया।

इस टूनामेंट में अभिषेक ने छह गोल किए और कई मौकों पर गोल बनाने में सहायक रहे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूनामेंट चुना गया।अभिषेक ने बताया कि उनके शुरूआती कोच शमशेर दहिया, अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के फैन हैं और चाहते थे कि अभिषेक वैसा ही खेले। लेकिन अभिषेक ने हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपना आदर्श माना। उन्होंने कहा, 'मैं रोनाल्डो के मैच देखता हूं और उनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं। फुटबॉल और हॉकी दोनों ही टीम गेम हैं, और रनिंग और स्टैमिना का अहम रोल होता है। रोनाल्डो मेरी प्रेरणा हैं।'अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर उन्होंने पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी। बचपन में एक बार कलाई में चोट लगने के कारण माता-पिता ने हॉकी खेलने से मना कर दिया था, लेकिन उनके कोच ने उन्हें दोबारा मैदान पर लाने में मदद की। अभिषेक आज भी अपने पहले कोच, जो हिंदी शिक्षक भी थे, से सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, 'शमशेर सर को भले ही आधुनिक हॉकी की ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन वह मेरे खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं।'पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी का अगला सपना है विश्व कप जीतना। उन्होंने कहा, 'हमने 50 वर्षों से विश्व कप नहीं जीता।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला जारी, नए सर्वकालिक निचले स्तर 88 .47 पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। भारत और अमेरिका के बीच चल

रहे टैरिफ विवाद के कारण रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर 88.47 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया।बाजार के जानकारों का मानना है कि यह गिरावट एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ के बढ़ते दबाव के कारण है। रुपये में गिरावट इस बात के संकेत हैं कि पिछले महीने से भारत पर लागू हुए अमेरिकी टैरिफ भारत में निवेशकों के विश्वास पर असर डाल रहे हैं। यही कारण है कि एशियाई समकक्षों के बीच रुपया सबसे कमजोर स्थिति में है। विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक भारतीय ऋण और शेयर बाजारों से 11.7 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की है।पिछले शुक्रवार को रुपया 88.36 के स्तर तक चला गया था। वाशिंगटन के भारी टैरिफ ने भारत के विकास और व्यापार परिदृश्य को नुकसान पहुंचाया है और मुद्रा विनिमय की राह को धुंधला कर दिया है। इस प्रभाव को कम करने के लिए भारत सरकार ने जीएसटी की दरों को बड़े पैमाने पर कम करने का एलान किया है। हालांकि, इस बीच भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए निरंतर बातचीत करने भी विचार कर रहे हैं।फिलहाल, निर्यातकों को ऑर्डर प्रवाह को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, आयातकों को अधिक आक्रामक तरीके से हेजिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे मुद्रा बाजार में मांग-आपूर्ति संतुलन बिगड़ रहा है। रुपये में गिरावट की गति को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बार-बार हस्तक्षेप किया है। बाजार सहभागियों का कहना है कि केंद्रीय बैंक बाजार में सक्रिय रहा है।माना जा रहा है कि आरबीआई अस्थिरता को कम करने और बड़े उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए डॉलर बेच रहा है। बैंकरों का कहना है कि हस्तक्षेप का उद्देश्य किसी विशेष स्तर को बनाए रखना नहीं है, बल्कि गिरावट को स्थिर रखकर कंपनियों और निवेशकों की बेचैनी दूर करना है।विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि महंगाई के आंकड़ों से पहले डॉलर में सुधार और विदेशी पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को और प्रभावित किया। पिछले कुछ सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी आई है, जिससे रुपये पर और दबाव पड़ा। व्यापारियों ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत-अमेरिका व्यापार संधि के बारे में सकारात्मक संकेत दिए जाने के बाद रुपये में मामूली सुधार के संकेत मिले थे, लेकिन डॉलर की मांग और वैश्विक कारणों से रुपये में कमजोरी बनी हुई है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.11 पर खुला और दिन के कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.47 के सर्वकालिक निचले स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में रुपया 88.47 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। यह पिछले दिन की क्लोजिंग के मुकाबले 36 की बड़ी गिरावट है। बुधवार को रुपया अपने रिकॉर्ड निम्न स्तर से थोड़ा संभला और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की बढ़त के साथ 88.11 पर बंद हुआ था।

ओमान से होगी पाकिस्तान की टक्कर, भारत के खिलाफ मैच से पहले जीत से आगाज करने उतरेगी पड़ोसी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने एशिया कप से

पहले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे निश्चित तौर पर उनका मनोबल बढ़ा होगा। इस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से पाकिस्तान के लिए तुरुप का इक्का होंगे।पाकिस्तान की टीम एशिया कप टी20 ि6+ााफ अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम देने की कोशिश करेगी। पाकिस्तान ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे निश्चित तौर पर उनका मनोबल बढ़ा होगा। इस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से पाकिस्तान के लिए तुरुप का इक्का होंगे।संयुक्त अरब अमीरात की धीमी पिचों के कारण पाकिस्तान को टीम में स्पिनरों को शामिल करना पड़ा। उसकी यह रणनीति त्रिकोणीय सीरीज के दौरान कारगर साबित हुई और एशिया कप में भी यह रणनीति महत्वपूर्ण साबित होगी।पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था, 'हम इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे हमें एशिया कप के लिए मदद मिले और हमने ऐसा किया। हम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं और पूरी तरह तैयार हैं।'ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच रविवार को दुबई में खेला जाएगा। इसके बाद इन दोनों टीमों का सुपर 4 और फाइनल में भी मुकाबला हो सकता है।

नूपुर-पूजा ने मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे।पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

'डीलरों पर न डाला जाए कंपनशेसन सेस का बोझ'

एजेंसी

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने सरकार से मुआवजा उपकर यानी कंपनशेसन सेस के मुद्दे पर स्पष्टता लाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इसका बोझ डीलरों पर नहीं पड़ा चाहिए, जो केवल वितरण श्रृंखला का हिस्सा है। ऋ्रअऊ्र के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा कि ऑटो निमार्ता और एफएडीए दोनों जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विग्नेश्वर ने बताया कि फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती मुआवजा उपकर को लेकर है। उन्होंने कहा कि हम पिछले हफ्ते से सरकार और अलग-अलग विभागों से इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। असल में मुआवजा उपकर अंतिम उपभोक्ता द्वारा ही चुकाया जाना था।

नेपाल को कब मिलेगी अंतरिम सरकार?

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध प्रदर्शन के बीच फैली हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी रोकने के लिए सेना सड़कों पर है। प्रदर्शनों पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के आदेश के साथ कर्फ्यू लगा दिया है। इस बीच आंदोलनकारी अंतरिम सरकार बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नाम का प्रस्ताव किया है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह बालेन ने भी इसका समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पहले बिना देर किए संसद भंग करनी चाहिए और फिर अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए। कई जेन जी एनजीओ ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं इस बीच नेपाली सेना, नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और जेन-जी युवाओं के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत जारी है। 'ग्रेल्ले' के नेताओं ने नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए सर्वसम्मति से अपना उम्मीदवार चुना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आज की चर्चा में इस निर्णय का औपचारिक रूप से समर्थन किए जाने की संभावना है। कार्की की टीम और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल सहित सेना नेतृत्व के बीच बातचीत जारी है। बातचीत का सिलसिला शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय तक जा सकता है नेपाल में जेन-जी समूह के नेतृत्व में दो दिन चले सरकार विरोधी हिंसक आंदोलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1300 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस और अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संसद भवन की इमारत के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 19 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश युवक शामिल थे। काठमांडू के कोटेश्वर इलाके में मंगलवार को भीड़ के हमले में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। इसके अलावा कालीमाटी थाने में पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प में तीन प्रदर्शनकारी मारे गए। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों के दौरान कुल 633 लोग घायल हुए हैं। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी व विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा भी प्रदर्शनकारियों के हमले में घायल हो गए नेपाल की सेना ने बुधवार को विरोध प्रदर्शनों की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश और कर्फ्यू लागू कर दिए। यह कदम बड़े पैमाने पर सरकारी विरोधी प्रदर्शनों के

कारण प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के एक दिन बाद उठाया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने सहायता के लिए आपातकालीन नंबर भी साझा किए हैं। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से +977-980 860 2881 (व्हाट्सएप कॉल भी) और +977-981 032 6134 (व्हाट्सएप कॉल भी) पर संपर्क किया जा सकता है नेपाल की एक जेल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़पों में कम से कम तीन कैदियों की मौत हो गई, जबकि इस हिमालयी राष्ट्र में हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से देश भर की दो दर्जन से ज्यादा जेलों से 15,000 से ज्यादा कैदी फरार हो गए हैं। ऐसे में अब तक मरने वाले कैदियों की संख्या आठ हो गई है।सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अब तक नेपाल की जेल से भागे 60 कैदियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को भारत-नेपाल सीमा पर विभिन्न चौकियों पर रखा गया है। सभी कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।देश में अंतरिम सरकार बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। सेना मुख्यालय में जेन-जी और अफसरों के बीच दूसरे दौर की बातचीत चल रही है। बीते दिन भी करीब नौ घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत का दौर चला था। इस बीच सेना प्रमुख ने राष्ट्रपति को मौजूदा हालात के बारे में अवगत कराया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की भी सेना मुख्यालय पहुंच गई हैं इस बीच खबर है कि जेन-जी के एक समूह ने कार्की के नाम का विरोध किया है। उन्होंने अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए कुलमान घिसिंग के नाम का प्रस्ताव किया है। इसे लेकर सेना मुख्यालय के बाहर जेन-जी समूहों के बीच झड़प भी हुई।काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर जिलों में निषेधाज्ञा और कर्फ्यू कल सुबह 6 बजे तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि, आवश्यक सेवा वाले वाहन और संस्थान चल सकते हैं। नेपाली सेना कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए हम अनुरोध करते हैं कि भाद्रपद 26 को सुबह 6 बजे से 9 बजे तक और शाम 5 बजे से 7 बजे तक दैनिक आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध रहें, लेकिन हम आपसे छोटे-छोटे समूहों में काम करने का आग्रह करते हैं जेन-जी नेता दिवाकर दंगल ने कहा, 'हम नेतृत्व संभालने के काबिल नहीं हैं और नेतृत्व संभालने के लिए हमें परिपक्व होने में समय लगेगा। हमें तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं। पार्टी के कुछ सदस्यों को यह गलतफहमी है कि वे घुसपैठ करके फूट डाल सकते हैं। यह खून-खराबा आपकी (पुराने नेताओं की) वजह से है। अगर लोग खून-खराबा शुरू करेंगे, तो वे बच नहीं पाएंगे। हम खून-खराबा नहीं चाहते। हम संसद भंग करना चाहते हैं, संविधान रद्द नहीं करना चाहते।'अनिल बनिया ने कहा, 'हमने यह आंदोलन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया था। हमने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने आगजनी की और फिर बुनियादी ढांचे में तोड़फोड़ की। ऑनलाइन सर्वेक्षणों के जरिए जेन-जी नेताओं ने सुशीला कार्की को वोट दिया। हम संविधान बदलने की कोशिश नहीं कर रहे, बल्कि उसमें जरूरी बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं।

कौन हैं कुलमन घिसिंग?

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शन के बाद अंतरिम प्रधानमंत्री की नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पहले अंतरिम प्रधानमंत्री पद

के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम सामने आया था। वहीं अब जेन जी गुट ने कुलमन घिसिंग के नाम का प्रस्ताव रखा है। आइए जानते हैं कुलमन घिसिंग कौन हैं?नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद देश में अंतरिम प्रधानमंत्री की नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पहले अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम सामने आया था। वहीं अब जेन जी गुट ने अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए कुलमन घिसिंग के नाम का प्रस्ताव रखा है। आइए जानते हैं कुलमन घिसिंग कौन हैं और आगे अब क्या होने वाला है? **पहले जानते हैं कौन हैं कुलमन घिसिंग? :** कुलमन घिसिंग नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व सीईओ रहे हैं। वे 1994 में प्राधिकरण से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने प्राधिकरण में कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं। 2016 में घिसिंग को प्राधिकरण का प्रबंध निदेशक बनाया गया। इस दौरान उन्होंने बिजली कटौती की समस्या का निस्तारण करने के लिए खूब काम किया। चार साल तक प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी निभाने के बाद घिसिंग 2020 में इस पद से हट गए और 2021 में इस पद पर वापस लौट आए।

भारत से की इंजीनियरिंग

कुलमन घिसिंग का भारत से भी नाता रहा है। उन्होंने भारत के क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर से इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद नेपाल के त्रिभुवन विवि से पावर सिस्टम में इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त की। कुलमन घिसिंग को नेपाल में बिजली कटौती की समस्या का खात्मा करने के लिए जाना जाता है। एक वक्त में नेपाल में 18 घंटे बिजली कटौती होती थी। उन्होंने इस समस्या का दूर किया और जनता की नजरों में चढ़ गए।कुलमन को 24 मार्च 2025 को कार्यकाल समाप्त होने से पहले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक पद से बर्खास्त कर दिया था। उनकी जगह हितेंद्र देव शाक्य को नियुक्त किया गया। ओली सरकार की कार्रवाई की जनता ने कड़ी आलोचना की। कई लोगों ने ओली सरकार पर राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति से काम करने का आरोप लगाया। ऐसा माना जा रहा है कि बिजली संकट का स्थायी समाधान करने वाले घिसिंग मुश्किल वक्त में नेपाल का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त माने जा रहे हैं।

पहले कार्की का नाम किया गया प्रस्तावित

जेन जी समूह ने पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नाम का प्रस्ताव किया था। मगर नेपाली सेना, नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और जेन-जी युवाओं के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत के दौरान कार्की के नाम का विरोध किया गया। इस दौरान कुलमन घिसिंग का नाम सामने आया।

कतर ने की हमास नेताओं पर इस्राइली हमले की निंदा

कहा- नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म कर दी

एजेंसी

नई दिल्ली। कतर ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर दोहा में किए गए

इस्राइली हमले की निंदा की है। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में पेश होने से पहले प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और खाड़ी देशों ने इस्राइली हमलों को क्रूर कृत्य बताया। शेख मोहम्मद ने कहा कि हमले वाली सुबह मैं एक बंधक के परिवार से मिल रहा था। वे युद्धविराम मध्यस्थता पर भरोसा कर रहे हैं। उन्हें इससे ज्यादा कोई उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि नेतन्याहू ने जो किया, उससे उन बंधकों की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। कतर और मिस्र गाजा में युद्ध विराम के प्रयासों में मध्यस्थता कर रहे हैं। कतर ने वर्षों से दोहा में हमास के राजनीतिक नेतृत्व की मेजबानी की है। ताकि हमास और इस्राइल के बीच बातचीत आगे बढ़ाई जा सके।

कतर के प्रधानमंत्री के बयान से पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमलों का बचाव किया और कतर के खिलाफ आगे की कार्रवाई की धमकी दी। नेतन्याहू ने कहा कि मैं कतर और उन सभी देशों से कहता हूं जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं या तो उन्हें खदेड़ दें या फिर उन्हें न्याय के कटघरे में लाएं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो हम करेंगे इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए।

तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराए 19 आतंकवादी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि उसने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में टीटीपी के 19 आतंकवादियों को मार गिराया है। वहीं, आतंकवादियों ने खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के घर को भी ढहा दिया है।पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकवादियों को तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है।

सीनेट में एपस्टीन केस फाइलों को सार्वजनिक करने का प्रस्ताव खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी सीनेट में एपस्टीन केस फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग फिलहाल अटक गई है। लेकिन हाउस में चल रही हलचल से यह मुद्दा आने वाले हफ्तों में और गर्म हो सकता है।फिलहाल डेमोक्रेट्स फिलहाल इस मामले को जिंदा रखने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।अमेरिका की सीनेट में बुधवार को एक बेहद करीबी वोटिंग में रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें जेफरी एपस्टीन से जुड़े यौन तस्करी मामले की केस फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग की गई थी। यह प्रस्ताव सालाना रक्षा नीति में शामिल करने की कोशिश की गई थी। वोटिंग में 51-49 का नतीजा आया।

वैश्य पार्टी की आम सभा का बैठक संपन्न

- समाज के उत्थान और वैश्य पार्टी की मजबूती पर हुई विस्तृत चर्चा
- 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बनाई गई रणनीति

कुशीनगर। कुशीनगर जिले के विकास खंड बिशनपुरा में वैश्य पार्टी की आम सभा बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा स्थानीय जनता की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभा का आयोजन कर्मठ एवं सक्रिय भूतपूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी आदरणीय बृजभूषण गुप्ता ने किया जबकि सभा की अध्यक्षता वैश्य पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर सी पी गुप्ता ने किया। वहीं मंच से विभिन्न वक्ताओं ने समाज और संगठन से जुड़े मुद्दों पर अपने अपने विचार रखे। वैश्य समाज के उत्थान पर जोर देते हुए कुशीनगर जिला प्रभारी श्रीकांत जायसवाल ने कहा कि वैश्य समाज ने व्यापार, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके बावजूद समाज को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है इसलिए वैश्य पार्टी ने संकल्प लिया है कि समाज की आवाज को राजनीति की मुख्यधारा तक पहुंचाने में अग्रणीय भुमिका निभाएंगे। पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रोफेसर कृष्णभान अग्रहरि जो शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च योगदान दे रहे हैं अपने उद्बोधन में जोर देते हुए कहा कि आज के युवा देश के भविष्य हैं लेकिन वर्तमान सरकार ने युवाओं को शिक्षा और रोजगार से वंचित कर दिया है। आज के युवा भट्टके मुसाफिर की तरह रोजगार का इन्तजार कर रहे हैं। कुशीनगर विधानसभा प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैंने ग्रामीण स्तर पर 50 लोगों की कार्यकारिणी बनाकर वैश्य पार्टी को मजबूत करने के लिए घर-घर संपर्क अभियान शुरू कर दिया हूं आप लोग भी ऐसा करने का संकल्प ले। सभा में व्यापारियों और लघु उद्यमियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आश्वासन दिया। सभा में पार्टी के सक्रिय सदस्य अरूण मद्धेशिया ने कहा कि वैश्य समाज भाजपा को नोट और वोट दोनों देता है और दिलाने का भी कार्य करता है लेकिन जिस अनुपात में वैश्य समाज को राजनीतिक भागीदारी मिलनी चाहिए वह नहीं मिलता है और समाज उपेक्षित होता है। समाज के पिछड़े वर्गों को भी संगठन से जोड़ने का आह्वान किया गया। सैनिक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक के सी गुप्ता ने कहा कि मैंने बार्डर पर भारतमाता की सेवा किया है अब रिटायर्ड होकर उसी तत्परता से समाज की सेवा करेंगे। वहीं संगठन की मजबूती के लिए जिलेवार सभाएं और बैठक में यह भी तय हुआ कि अब वैश्य पार्टी जिलेवार सभाएं आयोजित कर संगठन को गांव-गांव और हर ब्लॉक स्तर तक मजबूत करेगी। कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीति और उद्देश्य पहुंचाएं। आगामी चुनावी रणनीतिः सभा में प्रमुख रूप से आने वाले निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि वैश्य पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेगी और योग्य एवं समाजसेवी प्रत्याशियों को सामने लाया जाएगा। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि अब वैश्य समाज राजनीति में केवल सहयोगी भूमिका नहीं निभाएगा, बल्कि अपनी अलग पहचान बनाकर प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराएगा। चुनावी अभियान के तहत व्यापक स्तर पर सभाएं, जनसंपर्क और समाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभा का समापन इस संकल्प के साथ किया गया कि वैश्य पार्टी आने वाले वर्षों में न केवल समाज की समस्याओं को आवाज देगी, बल्कि उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका भी निभाएगी। उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि संगठन को मजबूत करने और समाज के हित में काम करने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। सभा में विनोद गुप्ता प्रधान, भोला जायसवाल प्रधान, सुभाष सुहाना गायक, अवधेश साहू, संतोष जायसवाल, भोला जायसवाल कोषाध्यक्ष, राजेश कुमार गुप्त, चंद्र प्रताप, दीनानाथ गुप्त, राजेश मद्धेशिया, मनोज, सोनू रौनियार, राजेंद्र गुप्ता, शैलेश कुमार, छोटेलाल, ध्यानचंद कुमार, दिनेश कुमार रौनियार , प्रमोद जायसवाल के साथ सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद के मनोनयन में अरविंद कुमार पांडे जिला सह मंत्री व बालकृष्ण पांडे बने प्रखंड अध्यक्ष

गोरखपुर । गोरखपुर प्रांत योजना की बैठक आज गोरखपुर कार्यालय में संपन्न हुई। इस योजना के क्षेत्र संगठन मंत्री नागेंद्र, प्रांत संगठन मंत्री राजेश सिंह ,विभाग संगठन मंत्री निखिल एवं जिला गोरखपुर के मंत्री इंजीनियर संजीत कुमार की उपस्थिति में अरविंद कुमार पांडे जिला सह मंत्री व बालकृष्ण पांडे को प्रखंड अध्यक्ष , प्रेमचंद्र नगर का विश्व हिंदू परिषद में मनोनयन हुआ । इनके आने से विश्व हिंदू परिषद को और मजबूती मिलेगी , सभी प्रबुद्ध पदाधिकारीयो ने कहा । इस मनोनयन की घोषणा पर विश्व हिंदू परिषद के सभी पदाधिकारीयो एवं कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किये । इस महत्वपूर्ण मनोनयन पर जिले सहित पूर्वांचल के सभी केंद्रीय मंत्रियों ने,क्षेत्रीय सांसदों ,क्षेत्रीय विधायकों ने क्षेत्रीय पदाधिकारीयो व सक्रिय कार्यकताओं ने बधाई व ढेरो शुभकामनाए दी। उक्त जानकारी विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री नागेंद्र ,प्रांत संगठन मंत्री राजेश, विभाग संगठन मंत्री निखिल एवं जिला गोरखपुर मंत्री इंजीनियर संजीत कुमार श्रीवास्तव ने दी।

अरविन्द कुमार पाण्डेय
जिला सहमंत्री

बाल कृष्ण पाण्डेय
प्रखंड अध्यक्ष प्रेमचंद नगर

भगवान राम ने 'बांसी नदी' में किया था स्नान, बारातियों संग ठहरे थे

संवाददाता

गोरखपुर। जिले की दो महत्वपूर्ण नदियों बांसी और हिरण्यावती के दिन बहुरने वाले हैं। इन दोनों नदियों को एक जिला एक नदी के रूप में चयनित किया गया है। इन दोनों नदियों के जीर्णोद्धार कराने के लिए उनके उद्गम स्थल से समागम स्थल तक साफ-सफाई की जाएगी। उसमें निरंतर जलप्रवाह बना रहे इसके लिए दूसरी नदी या नहरों को इससे जोड़ा जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन टॉस्क फोर्स का गठन कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपा चुका है। बांसी नदी छितौनी बुलहवा से गंडक से निकलकर नकहवा, चिनबरदहा, पडरही, त्रिलोकपुर, बांसी के रास्ते बिहार में प्रवेश कर जाती है। इस तरह 114 किलोमीटर की दूरी तय कर यह नदी पुनः यूपी के सेवरही ब्लॉक स्थित पिपरा घाट के पास गंडक नदी में विलीन हो जाती है। यह नदी अपने उद्गम स्थल से 84 किलोमीटर तक सिल्ट और जलकुंभी से पटी पड़ी है। शेष हिस्सा साफ है, जहां निरंतर जलप्रवाह बना रहता है। इस नदी के शून्य से 60 किलोमीटर तक सिंचाई खंड द्वितीय और 60 किलोमीटर से 114 किलोमीटर तक का हिस्सा बाढ़ खंड की देखरेख में है। एक जिला एक नदी योजना के तहत इस नदी के चयन होने के बाद नदी की साफ-सफाई समेत इसमें निरंतर जलप्रवाह बन रहे इसके लिए योजना बनाई जा रही है। किन-किन नदी, नहर और बरसाती नाले का पानी बांसी नदी में पानी लाने की व्यवस्था कराने और प्रथम चरण में बांसी में गिरे झरही नाला से कटाई भरपुरवा तक सफाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह हिरण्यवती नदी का उद्गम स्थल रामकोला ब्लॉक के सपहा गांव का ताल माना जाता है। यहां से सिधावे, बसडीला, मोती पाकड़, कठघरही, परवरपार, अहिरौली कुसुम्ही से होते कुशीनगर तक पहुंचती है। कुशीनगर से आगे बढ़ने पर कुड़वा दिलीपनगर गांव में घाघी नदी से मिलती है। घाघी नदी आगे छोटी गंडक में जाकर मिलती है। तथागत बुद्ध का महापरिनिर्वाण हिरण्यवती नदी के तट पर हुआ था, जहां अब रामाभार स्तूप है। नदी की लंबाई करीब 49.370 किलोमीटर है। **भगवान राम ने बांसी नदी में किया था स्नान :** बांसी नदी का इतिहास अति प्राचीन है। त्रेतायुग में इस पौराणिक पवित्र नदी का उद्भव छितौनी के पास बुलहवा से हुआ था। जनकपुर से लौटते समय भगवान श्रीराम, माता सीता के साथ अयोध्या जाते समय वे बरातियों के साथ रामघाट के पास रात्रि विश्राम किए थे। अगले दिन सुबह नदी में स्नान भी किया था। भगवान राम ने स्नान के बाद रामघाट पर शिवलिंग स्थापित कर पूजा भी की थी।

एक माह में 15 घरों से करोड़ों की चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा, आठ गिरफ्तार

संवाददाता

गोरखपुर। एंटी थेप्ट सेल व खजनी पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार को अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान संतकबीरनगर के बखिरा बंजरिया परसा निवासी चांद अली उर्फ तौफिक, इरफान, परवेज, अफरोज, सराफा व्यापारी गौरीशंकर और उसका बेटा आदित्य सोनी, सिकरीगंज के जिगनी निवासी सोनू, हरपुर बुदहट के औराई निवासी भीम के रूप में हुई है। यह गैंग पिछले एक माह में गोरखपुर समेत आसपास के जिलों में 15 से अधिक घरों में सेंध लगाकर नकदी समेत तीन करोड़ों रुपये का माल उड़ा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 5.45 लाख रुपये नकद, एक करोड़ रुपये मूल्य के जेवर और पांच किलो चरस बरामद की है। यह गैंग पहले घरों की रेकी करता और फिर सूनसान इलाकों या बाहर गए परिवारों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम देता था। एसएसपी राजकरन नय्यर और एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने बुधवार को पुलिस लाइंस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पकड़ा गया गिरोह 22 जुलाई से 30 अगस्त के बीच 15 मकानों से नकदी समेत तीन करोड़ रुपये कीमत के जेवर उड़ाए थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल टॉवरों के जरिये आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में चोरी के जेवर खरीदने वाले संतकबीरनगर के सराफा व्यापारी पिता-पुत्र (गौरीशंकर उसका बेटा आदित्य सोनी) भी शामिल हैं। इनके जरिये चोरी का माल आसानी से खपाया जाता था। पूछताछ में आरोपियों ने 21 से अधिक चोरी की वारदात कबूल की है। सिकरीगंज, खजनी, गोला, गीडा, गगहा, संतकबीरनगर के घनघटा व बिहार में भी चोरी की वारदात कबूल की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के निशानदेही पर चोरी के माल व चोरी के प्रयुक्त उपकरण भी बरामद की है। वहीं भागे आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

दोगुने रुपये कमाने का झांसा दिया, बुजुर्ग से ठगे 19.31 लाख

संवाददाता

गोरखपुर। ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीके लगातार सामने आ रहे हैं। अब साइबर अपराधी सोशल मीडिया के जरिये दोस्ती करके लोगों को झांसे में फंसा रहे हैं। रामगढ़ताल क्षेत्र के सहारा एस्टेट निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग इसी तरह साइबर ठगों के शिकार हो गए। फेसबुक पर आई दो युवतियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करना उन्हें भारी पड़ा। दोनों ने बुजुर्ग को विदेश में कारोबार और ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का भरोसा दिलाया और धीरे-धीरे उनसे कुल 19.31 लाख रुपये की ठग कर ली। पीड़ित ने युवतियों के खिलाफ साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। सहारा एस्टेट के पास रहने वाले बुजुर्ग ने बताया कि बीते 19 मई को आरोही मल्होत्रा नाम की युवती और 22 मई को कृतिका गुलाटी नाम की दूसरी युवती ने उनको फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी।

Gorakhpur team won the 17th SSKF state level karate competition

- **Gorakhpur got 10 gold, 7 silver and 8 bronze**
- **Wave of happiness among sports lovers, people started congratulating**

Gorakhpur. In the two-day SSKF Uttar Pradesh Karate Championship 2025, the 17th state level karate competition was organized in Sarnath, Banaras.

The two-day event was successfully concluded from 6 September to 7 September 2025.

In the above event, the players of Gorakhpur bagged 10 gold, 7 silver and 8 bronze.

In this competition, SSKF Gorakhpur's secretary and coach Anurag Kumar Gaur told that in the championship held in Sarnath, the Gorakhpur team performed brilliantly in the state level championship.

In which Gorakhpur was the second runner team and the Gorakhpur team also won the Best Performance Trophy.

For the excellent performance of the team, S.S.K.F. Uttar Pradesh Karate Championship Gorakhpur's Technical Director Chandra Prakash Mani congratulated all the winning players and calling martial arts an ancient art of India, said that it is a matter of pride for us that the martial arts players of Indian Shaurya Kala are making records at the international level in the martial arts competitions.

Shri Mani wished a bright future for the martial arts players who achieved a special place in this state level competition.

These players were winners in the state level championship

Arpita Gaur, (Gold in Kata, Gold in Fight), Aastik Gaur (Silver in Kata, Silver in Fight), Aditya Sahni (Gold in Kata, Fight Bronze), Aditya Sahni (Gold in Fight, Silver in Kata), Ansh (Bronze in Kata, Gold in Fight), Aman Ahmed (Bronze in Fight), Govind Bharti (Gold in Fight), Kajal (Bronze in Fight), Shaurya Pratap Anand (Fight Bronze, Gold in Kata), Yash Rao and Rudransh Dubey (Bronze in Fight), Adhya Chandra Gupta (Gold in Kata, Gold in Fight), Ayush Sahni (Bronze in Fight), Aryan Sharma (Silver in Kata, Gold in Fight), Niranjan (Silver in Kata, Silver in Fight), Devashya Singh (Bronze in Fight), Vedika Ganesh Nije (Silver in Fight)

Pawan Sehrawat opens up about Tamil Thalaivas controversy says will stop playing kabaddi if allegations are proved

Star raider Pawan Sehrawat who was sent home for the rest of the ongoing Pro Kabaddi League season by his team Tamil Thalaivas what the franchise said was due to some disciplinary issues, on Saturday issued his response on the matter. Sehrawat dismissed the allegations, saying that if they were found to be true, he will leave kabaddi. "The team has called me undisciplined. I have been a part of the India team so I know very well what the meaning of discipline is. If I am found to be undisciplined and whatever allegations the team have levelled against me, if there's even 1% truth in it, I promise to you guys that I will stop playing Kabaddi. I am still standing firm on this. I am saying that I am right and am not wrong anywhere," Pawan Sehrawat said. In the beginning on the video he thanked fans for their support and said that he and Arjun had made a few plans for the team going forward but due to a particular individual those plans couldn't come into fruition. "After yesterday's post, I thank all of you for your calls and messages. I was in the same team in season 9, and I received a lot of support through my injury back then. Arjun, my younger brother, and I made a lot of plans to take the team forward. However, we were unable to do so due to a particular individual," he added.

India at World Athletics Championships complete results and schedule

Sarvesh Anil Kushare became the first-ever Indian man to qualify for the final of the men's High Jump event at the World Athletics Championships. He cleared 2.25m in his second attempt at the qualification of the high jump in National Stadium, Tokyo to book his berth in the 13 man final on Tuesday. It was low mark qualification as no athlete went for the automatic qualification mark of 2.30m. Reigning World Champion Gianmarco Tamberi of Italy failed to clear the 2.25m mark much to shock of the rest of the field. Another Indian in action, Gulveer Singh finished 16th in the men's 10000m event clocking 29:13.33. This is best ever finish by an Indian at the 10,000m event at World Championships in terms of placement with Surendra Kumar finishing 19th at the 2009 edition. The event saw a historic finish as Jimmy Gressier of France broke the African dominance in the event to win the gold medal outpacing Yomif Kejelcha of Ethiopia by the barest of margins. The French clocked 28:55.77 while Kejelcha clocked 28:55.83. Andreas Almgren of Sweden took the bronze.

Dock pay of lawmakers who don't attend Assembly: Andhra Speaker's suggestion to Birla

Tirupati | Dock pay of lawmakers who don't attend Assembly: Andhra Speaker's suggestion to BirlaChintakayala Ayyannapatrudu was speaking on Sunday at an event in Tirupati where Lok Sabha Speaker Om Birla was present. (Screenshot: X/@AyyannaPatruduC) The Speaker of the Andhra Pradesh Assembly has proposed a "no work, no pay" rule for members of all state legislatures. Chintakayala Ayyannapatrudu was speaking on Sunday at an event in Tirupati where Lok Sabha Speaker Om Birla was present. The first 'National Conference of Parliamentary and Legislative Committees on Empowerment of Women', inaugurated by Birla, drew MPs and MLAs from across India to the temple town. Ayyannapatrudu, addressing Birla, said: "Speaker sir… please give some instruction to all Assemblies in the country (that) the House should run at least 60 days a year… Why can't we run? Some Assemblies are running for just 35 days, 45 days. This is not correct. Please take necessary action and give directions to all Assemblies". He later told The Indian Express: "Why must they take their salary if they don't come to the Assembly? If you are an employee and you don't go for your duty, your salary is cut; so why not MLAs?" He added, in a thinly veiled swipe at the Opposition YSR Congress party in the state: "For 13 months, one party's MLAs have not been coming (to the Andhra Pradesh Assembly).

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।